तृतीय अध्याय

शोध प्रविधि तथा प्रक्रिया

अध्याय तृतीय

शोध विधि तथा प्रक्रिया

3.1 भूमिका :-

इस अध्याय में न्यादर्श का चयन, प्रदत्त संकलन हेतु उपकरण का निर्माण एवं विकास तथा आकड़ों का विशलेषण में प्रयुक्त सांख्यिकी का वर्णन किया गया है। अनुसंधान कार्य सही दिशा में अग्रसर करने के लिए यह आवश्यक होता है कि शोध की एक व्यवस्थित रूप रेखा हो। इसके लिए न्यायदर्श की चयन की अपनी विशेष भूमिका होती है। इसे तभी उपयुक्त माना जा सकता है जब यह संपूर्ण समष्टि का वास्तविक प्रतिनिधित्व करता हो। न्यादर्श जितने सुदृढ़ होंगे परिणाम उतने ही परिशुद्ध होगें। इसके बाद उपकरण का चयन महत्वपूर्ण होता है। जिसके आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया जाता है तथा सांख्यिकीय विधि के द्वारा प्रदत्तों का विश्लेषण का व्याख्या की जाती है।

3.2 न्यादर्श का चयन :-

इस अध्ययन में न्यादर्श के लिए जलगांव जिले में चल रही 835 आंगनवाड़ियों में से दस आंगनवाड़ियों को यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गया है। इन आंगनवाड़ियों में कार्यरत, 10 कार्यकर्ताओं का चयन किया गया है। उपरोक्त आंगनवाड़ियों में अध्ययनरत बालकों के अभिभावकों में से 20 अभिभावकों रेण्डमली लॉटरी विधि द्वारा चयनित किया गया। अध्ययन में अवलोकन हेतु 10 आंगनवाड़ी केन्द्रों को चयनित किया गया जिसमें शोधकर्ता ने प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

3.3 न्यादर्श की विशेषताएँ :-

1. सभी कार्यकर्ता प्रशिक्षित है।

2. सभी कार्यकर्ता 35 से 60 वर्ष की उम्र के है।

3. 08 कार्यकर्ता 10वीं, 01 कार्यकर्ता 12वीं तथा 01 कार्यकर्ता स्नातक है।

4. इसमें सभी अभिभावक हितग्राही है।

3.4 उपकरणों का निर्माण एवं विकास :-

शोध में प्रदत्त संकलन के लिए शोधकर्ता द्वारा प्रश्नावली व अवलोकन सूची का निर्माण एवं विकास किया जो निम्न है-

3.4.1 साहित्य अध्ययन- उपकरणों की उपयुक्तता के लिए शोधकर्ता द्वारा पूर्व में विषय से संबंधित किये गये विभिन्न शोधों का अध्ययन किया।

3.4.2 विशेषज्ञों से चर्चा- विभाग में विभिन्न विषयों का अध्यापन कराने वाले विशेषज्ञों से उपकरणों के बारे में चर्चा करके यह ज्ञात किया कि किस पक्ष से संबंधित प्रश्न लिए जा सकते है।

3.4.3 पर्यवेक्षकों व कार्यकर्ताओं से चर्चा- शोधकर्ता द्वारा पर्यवेक्षकों कार्यकर्ताओं से मुलाकात की व उनसे आंगनवाड़ियों के संबंध में चर्चा की गयी जिससे प्रश्नों के निमार्ण के लिए सहायता मिली।

3.4.4 क्षेत्र का निर्धारण- प्रश्नावली का निर्माण करते समय क्षेत्र का निर्धारण महत्वपूर्ण होता है। इसी के द्वारा शोधकार्य के उद्देश्यों की प्राप्ति में सफलता प्राप्त हो सकेगी। इस प्रकार विशेषज्ञों, पर्यवेक्षकों व साहित्य अध्ययन की सहायता से निम्न क्षेत्रों को चयन किया गया। पोषक आहार, स्वास्थ्य जॉच एवं टीकाकरण, समन्वय व सेवा, मूलभूत संरचना।

3.4.5 प्रथम प्रारूप तैयार करना- उपरोक्त क्षेत्र के आधार पर प्रश्नावली व अवलोकन सूची का निर्माण किया गया।

प्रश्नावली-

प्रश्नावली मिश्रित प्रश्नावली है। जिसमें हॉ/नहीं, बहुविकल्पीय तथा ऐसे प्रश्न भी लिए गये जिनका उत्तर कार्यकर्ता स्वतंत्र रूप से दे सके। प्रश्नावली में कुल 33 पद लिए गये जिन्हें चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया-

- व्यक्तिगत जानकारी,
- पोषक आहार संबंधित जानकारी,
- स्वास्थ्य जॉच एवं टीकाकरण संबंधी जानकारी,
- समन्वय व सेवा संबंधी जानकारी

प्रश्नावली में पहले 45 प्रश्नों को तैयार किया गया बाद में निर्देशक द्वारा छॉटकर 33 प्रश्न रखे गये। प्रश्नावली में 14 प्रश्न हां/नहीं, 09 प्रश्न बहुविल्पीय तथा 10 प्रश्न ऐसे है जिनका उत्तर कार्यकर्ता द्वारा स्वतंत्र रूप से दिया जा सके। आंगनवाड़ी में शिक्षा हेतु आ रहे बच्चों के अभिभावकों के लिए भी प्रश्नावली का निर्माण किया गया। जिसमें उपरोक्त क्षेत्र के आधार पर ही प्रश्नो का निर्माण किया गया। प्रश्नावली में 33 प्रश्न लिये गये। प्रश्नावली को परिशिष्ट-I में दर्शाया गया है।

अवलोकन सूची-

आंगनवाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण के लिए निम्न बिन्दुओं पर आधारित सूची तैयार की गयी।

- उपस्थित बच्चों की,
- सुविधाएं,
- अभिलेख अपडेट,
- स्थान की पर्याप्तता,

- पोषक आहार भण्डार,
- कार्यकर्ता की उपस्थिति

अवलोकन सूची से संबंधित प्रश्नों को परिशिष्ट-II में दर्शाया गया है।

3.4.6 लघु न्यादर्श परीक्षण- शोधकार्य में प्रदत्त संकलन के लिए बनायी गयी प्रश्नावली की उपयोगिता व वैधता को परीक्षण करने के लिए शोधकर्ता द्वारा लघु न्यादर्श संख्या 05 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लिया गया। प्रश्नावली में जो कमियाँ पता लगी। उन्हें सुधार कर ठीक किया गया।

3.5 प्रदत्त संकलन :-

शोधकर्ता ने सर्वप्रथम जलगांव जिले की एकीकृत बाल विकास परियोजना अधिकारी से मिलकर वर्तमान में संचालित आंगनवाड़ियों का पता लिया गया। जिसमें से 10 आंनवाड़ियों का भ्रमण शोधकर्ता द्वारा किया गया। शोधकर्ता ने आंगनवाड़ी के पर्यवेक्षक से मिलकर क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान द्वारा प्रदान अनुमति पत्र के माध्यम से अनुमति प्राप्त करके उपकरणों से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

3.6 विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय :-

प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोधकर्ता द्वारा वर्णित प्रत्येक प्रश्नों के अलग-अलग आये उत्तरों की अवृत्ति का योग निकाला गया। इन योगों का प्रतिशत निकाला गया। प्रतिशत निकालने के पश्चात् विभिन्न श्रेणियों में आये आंकड़ों को दिखाने के लिए तालिका का निर्माण किया गया।